अब बिलकुल नया क्षेत्र उनका इंतजार कर रहा था। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ भारतीय राजनीति में पदार्पण। नानाजी को जनसंघ का संगठन खड़ा करने का दायित्व सौंपा गया। वे समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया से मिले।